सीड बाल तकनीकी

(Seed Ball Technology)

वन विज्ञान केंद्र, हिजली, खड़गपुर

पश्चिम बंगाल

दिनांक : 26.08.2021

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा वन विस्तार हेतु गठित वन विज्ञान केंद्र पश्चिम बंगाल के तहत संस्थान के निदेशक डा.नितिन कुलकर्णी के सक्रिय पहल एवं समूह समन्वयक (अनुसंधान) डा. योगेश्वर मिश्रा के मार्गदर्शन में वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा दिनांक 26.08.2021 आभासीय मंच के माध्यम से पौधों के लिए सीड बाल तकनीकी (Seed Ball Technology) विषय पर पश्चिम बंगाल के 6 जिलों के 17 वन प्रमंडलों के 68 वनकर्मियों एवं वन समिति सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया जिसका उदघाटन भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के उप महानिदेशक (विस्तार) डा. सुधीर कुमार ने किया।

श्रीमती रुबी सुसाना कुजूर के स्वागतोपरांत वन प्रशिक्षण संस्थान हिजली के निदेशक श्रीमती अनुसुया राय ने विभिन्न वन प्रमंडलों के प्रशिक्षणार्थियों का परिचय देते हुए वन उत्पादकता संस्थान द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की एवं उपमहानिदेशक महोदय को धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक डा.नितिन कुलकर्णी ने उपमहानिदेशक डा. सुधीर कुमार के अल्पावधि सूचना पर मुख्य अतिथि के रुप में भाग लेने के लिए हर्ष व्यक्त किया एवं धन्यवाद दिया। प्रशिक्षण का व्योरा प्रस्तुत करते हुए उन्होने संस्थान द्वारा प्रस्तावित विषयों में से वन विभाग पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा चयनित तीन विषयों पर वन विज्ञान केंद्र पश्चिम बंगाल ते तहत विगत दो दिनों से आभासीय मंच द्वारा प्रशिक्षण जारी है तथा कोविड–19 के स्थिति सामान्य होने पर सामूहिक स्थलीय प्रशिक्षण आयोजित की जायेगी। आज के प्रशिक्षु वन विभाग के अग्रिम वनकर्मी है जिससे वन विस्तार में भी मदद मिलेगी। उन्होने बताया कि भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा विकसित बीज बाल वगैरह तकनीक हमारे दूर्गम तथा अपहुंच वाले क्षेत्रों के लिए काफी लाभकारी होगा। प्रतिभागियों की भारी उपस्थिति पर हर्ष व्यक्त किया।

उपमहानिदेशक डा.सुधीर कुमार ने पश्चिम बंगाल के सभी वनाधिकारियों, डा. नितिन कुलकर्णी, डा. योगेश्वर मिश्रा के सक्रिय पहल के लिए धन्यवाद दिया तथा बताया कि आज की तारीख में इस तरह के ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी प्रशिक्षण आयोजन के लिए सभी धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होने कल के जैविक खाद उत्पादन एवं उपयोग विषय पर हुए प्रशिक्षण की तारीफ की तथा इसके उपयोग को को जन-जन तक ले जाने के लिए जागरुकता फैलाने पर बल दिया उन्होने बताया कि भारत में विशाल बंजर,दुर्गम,तराई,पहाड़ी आदि क्षेत्रों के लिए यह तकनीकी कारगर होगी लेकिन बीज की गुणवत्ता, उपचार एवं उसकी जीवंतता का ध्यान रखना आवश्यक है। प्रसंस्करण चुनाव एवं ग्रेडेशन पौधरोपण का एक अंग बताया। इस तकनीक का प्रशिक्षण भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के तंत्र को सुदृढ़ करेगा। इसे प्रयोगशाला से जमीन तक ले जाने के लिए वन उत्पादकता संस्थान एक मील का पत्थर साबित होगा।

तकनीकी सत्र की शुरुआत करते हुए डा. योगेश्वर मिश्रा ने सीड बाल तकनीकी की कल्पना, उसके प्रयोजन एवं उपयोग की आवश्यकता को विस्तार से बताया जिसका बंगला भाषा में श्री अंशुमन दास, वैज्ञानिक-बी ने बड़ी ही सुग्राह्य तरीके से समझाया। डा. मिश्रा ने बताया कि देश ही नही विश्व भर में ऐसी भूमि का विशाल क्षेत्र बंजर पड़ा है जहां मानव का शारीरिक पहुंच मुश्किल है। कुछ ऐसे क्षेत्र भी है जहां सुगमता से कार्य नहीं किया जा सकता। ऐसे क्षेत्रों के लिए Seed Ball Technology एक वरदान साबित होगा और वन विस्तार में काफी मददगार होगा। उन्होने बताया कि मध्य प्रदेश, तेलांगाना तथा झारखंड के जमशेदपुर में भी यह तकनीक काफी सफल रहा है। बीज बाल बनाने के लिए आवश्यक सामग्री एवं प्रक्रिया को विस्तार से बताते हुए उन्होने बीज संग्रहण, प्रसंस्करण, ग्रेडेसन, उपचार एवं सीड बनाने के विधियों को बताया। प्रति बाल 4 बीज डालने तथा कमरे के तापक्रम पर सुखाने के बाद वांक्षित क्षेत्र में प्रसारण को भी बारीकी से बताया।

पौधरोपण पश्चात, आकड़ा संग्रहण, प्रजनन एवं जीवंतता प्रतिशत प्राप्त करना, संभव होने पर साफ-सफाई करना आदि तकनीक का भी उल्लेख किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम में श्री अंशुमन दास, वैज्ञानिक-बी ने उसे आसानी से समझ सकने वाले बंगला भाषा में समझाया तथा जहां आवश्यकता हुई अपनी ओर से भी तकनीकी को विस्तार से समझाया।

चर्चा सत्र में श्री संदीप बनर्जी, कृष्णपद मंडल, दर्लभ भुइयां, मिताली सिंग, इंद्रानील चटर्जी, अरुण मंडल, विवेकानंद आदि के शंकाओं को डा. योगेश्वर मिश्रा एवं श्री अंशुमन दास ने कुछ उदाहरणों के साथ समझाया एवं बीच-बीच में सुश्री अनुसुया राय

उसकी व्याख्या करती रही। श्रीमती रुबी सुसाना कुजूर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में विस्तार प्रभाग, सूचना तकनीकी एवं संपदा प्रभाग का सराहनीय योगदान रहा।

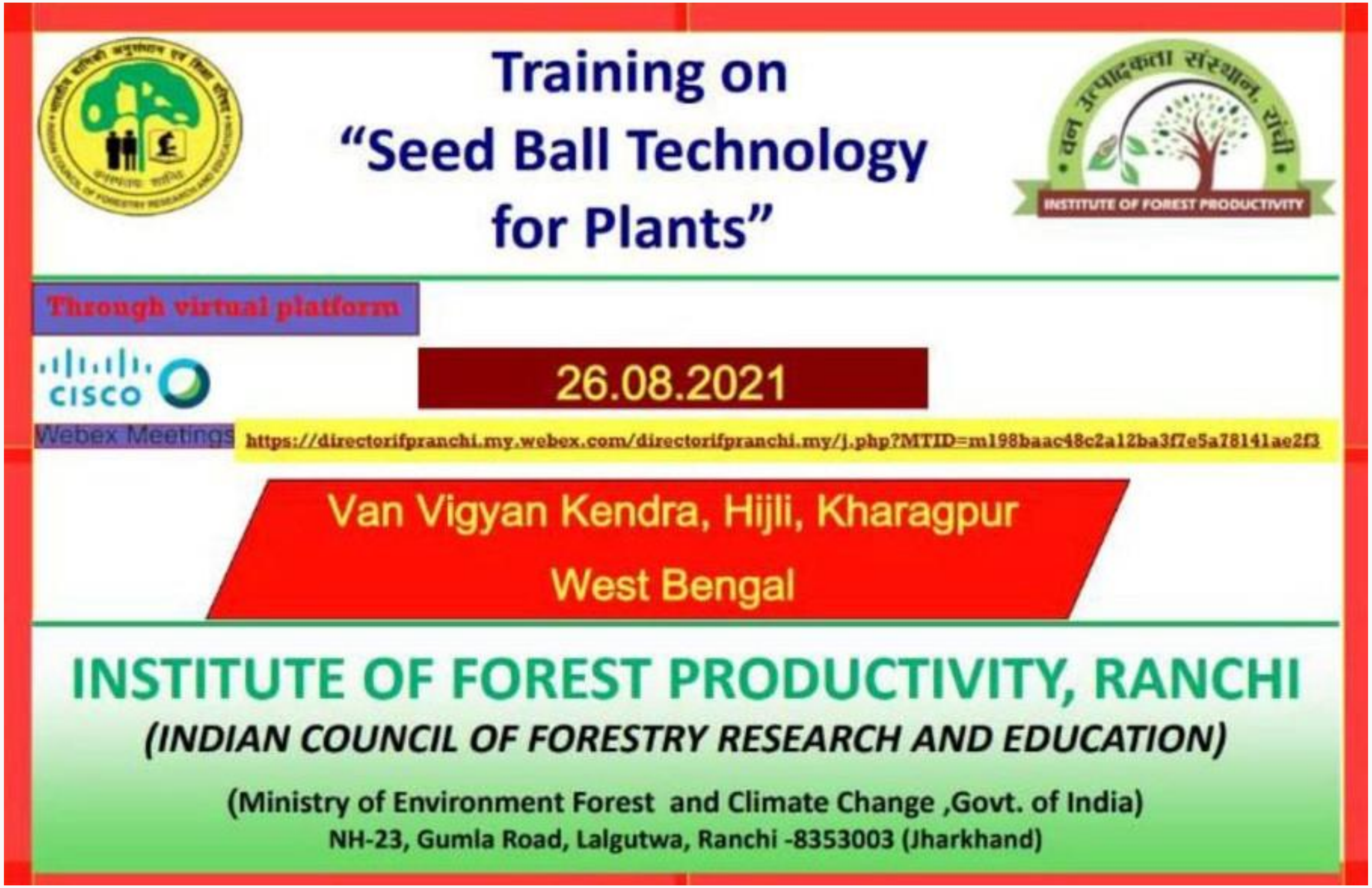

Training on
“Seed Ball Technology
for Plants”
INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY
Through virtual platform
cisco
Webex Meetings
26.08.2021
https://directorifpranchi.my.webex.com/directorifpranchi.my/j.php?MTID=m198baac48c2a12ba3f7e5a78141ae2f3
Van Vigyan Kendra, Hijli, Kharagpur
West Bengal
INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY, RANCHI
(INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH AND EDUCATION)
(Ministry of Environment Forest and Climate Change ,Govt. of India)
NH-23, Gumla Road, Lalgutwa, Ranchi -8353003 (Jharkhand)

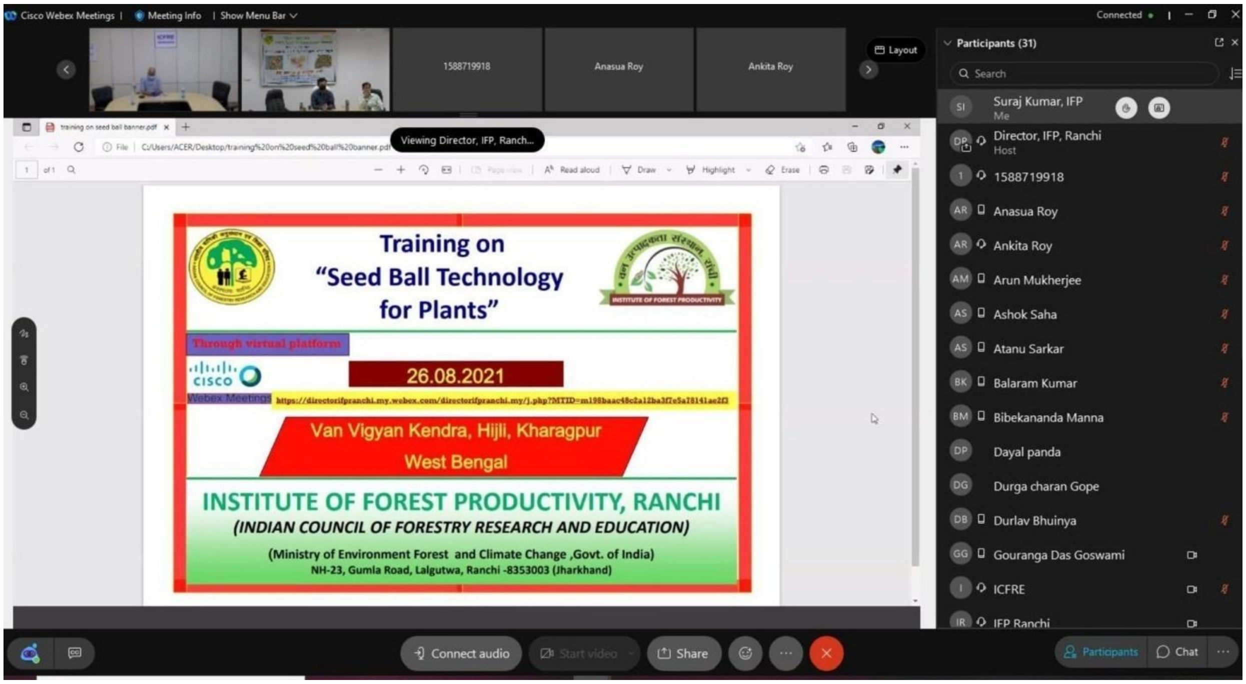

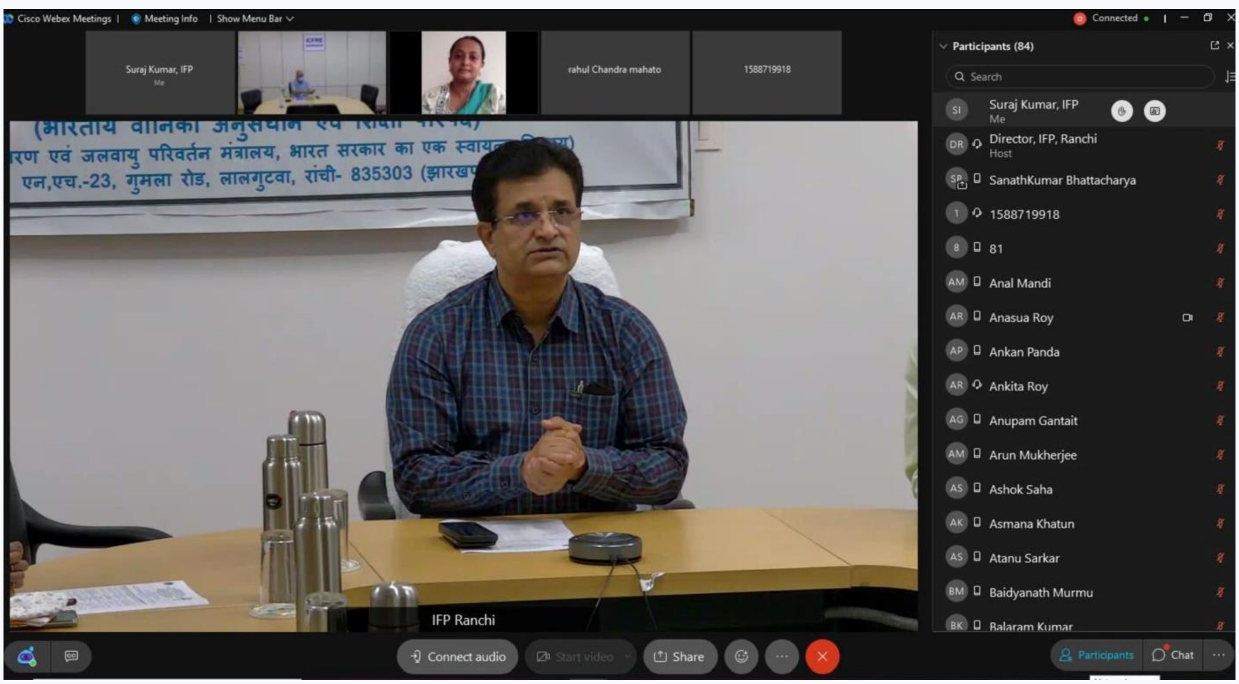

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियां

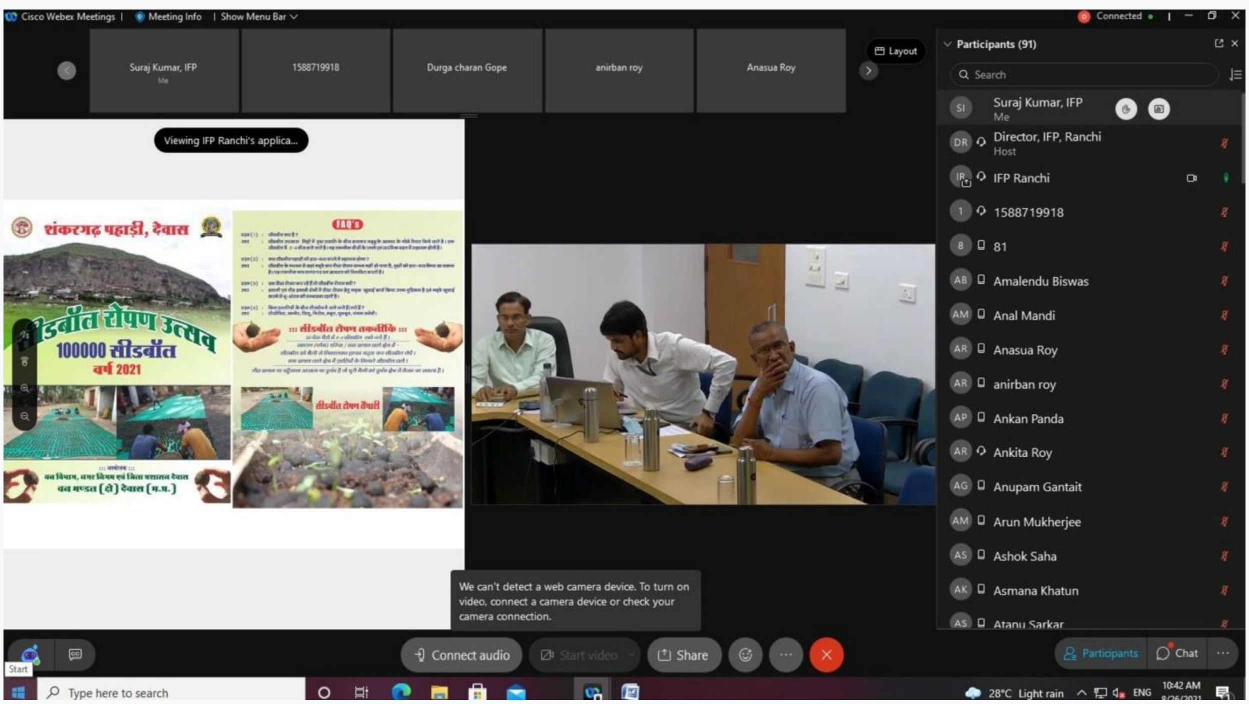

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियां

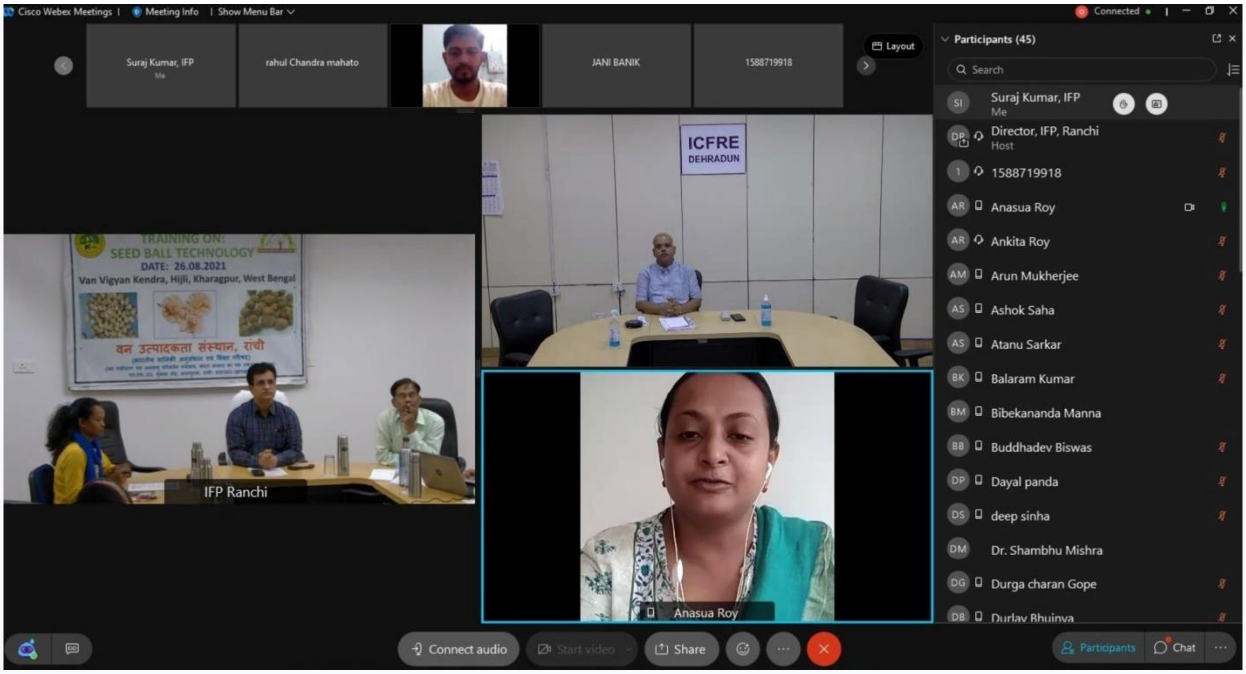

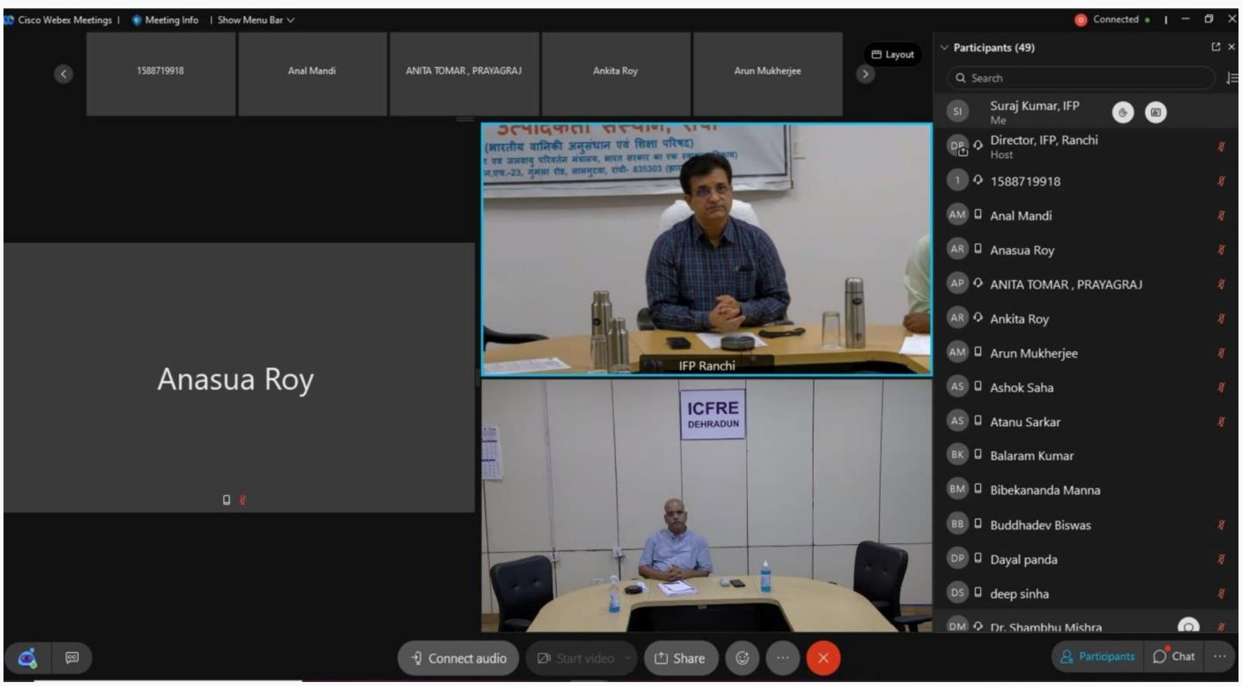

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियां

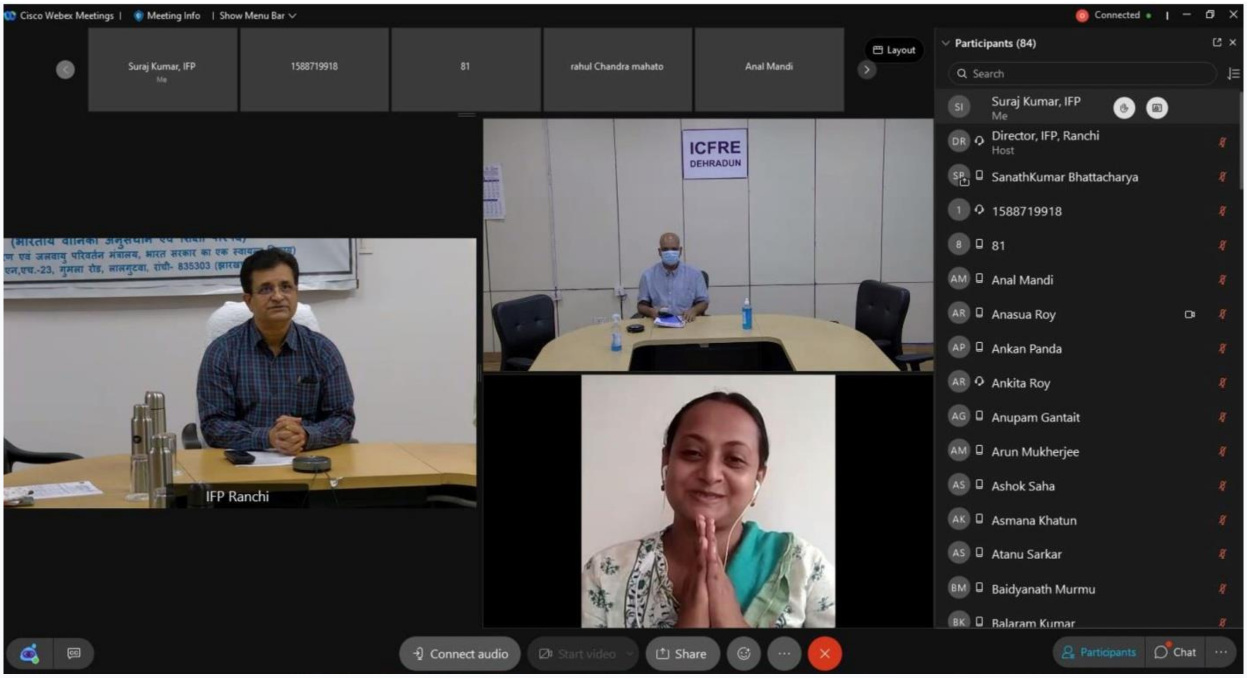

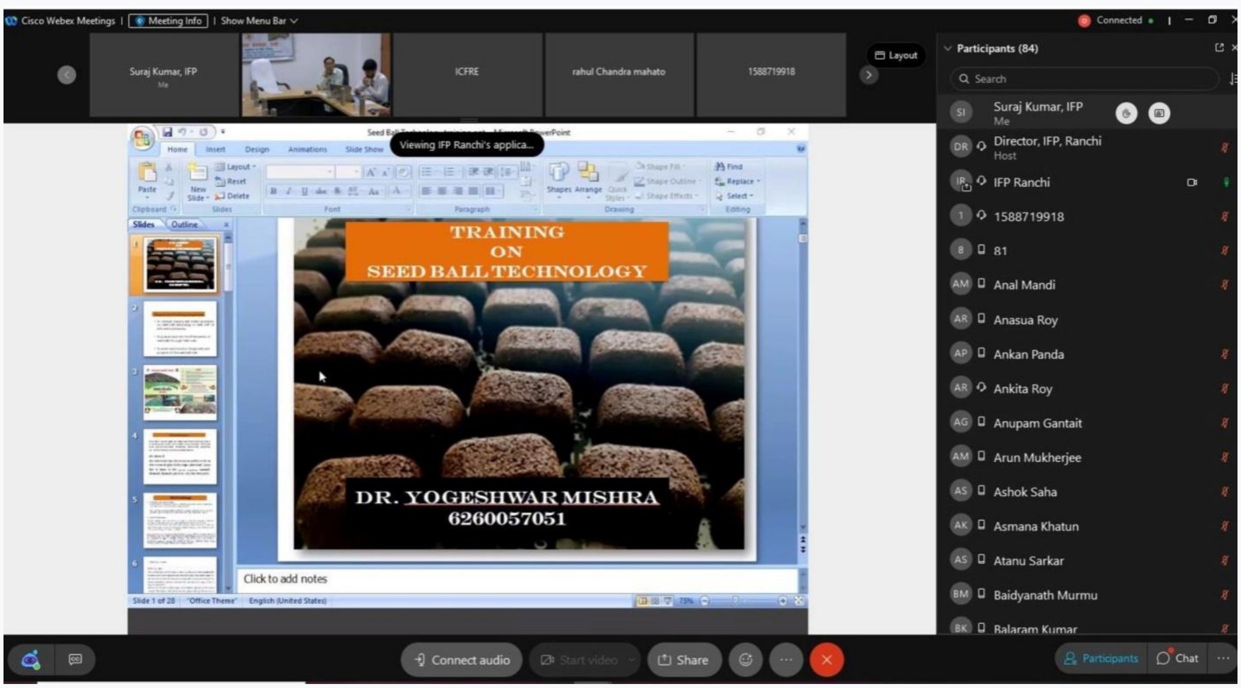

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियां

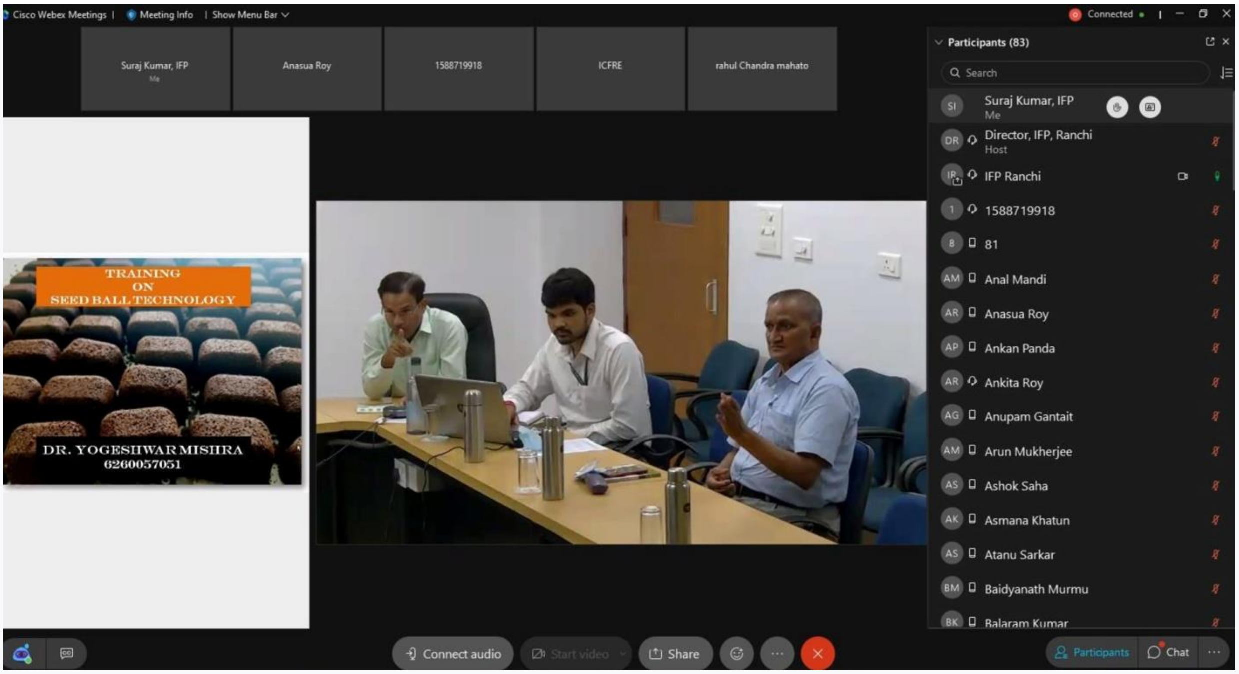

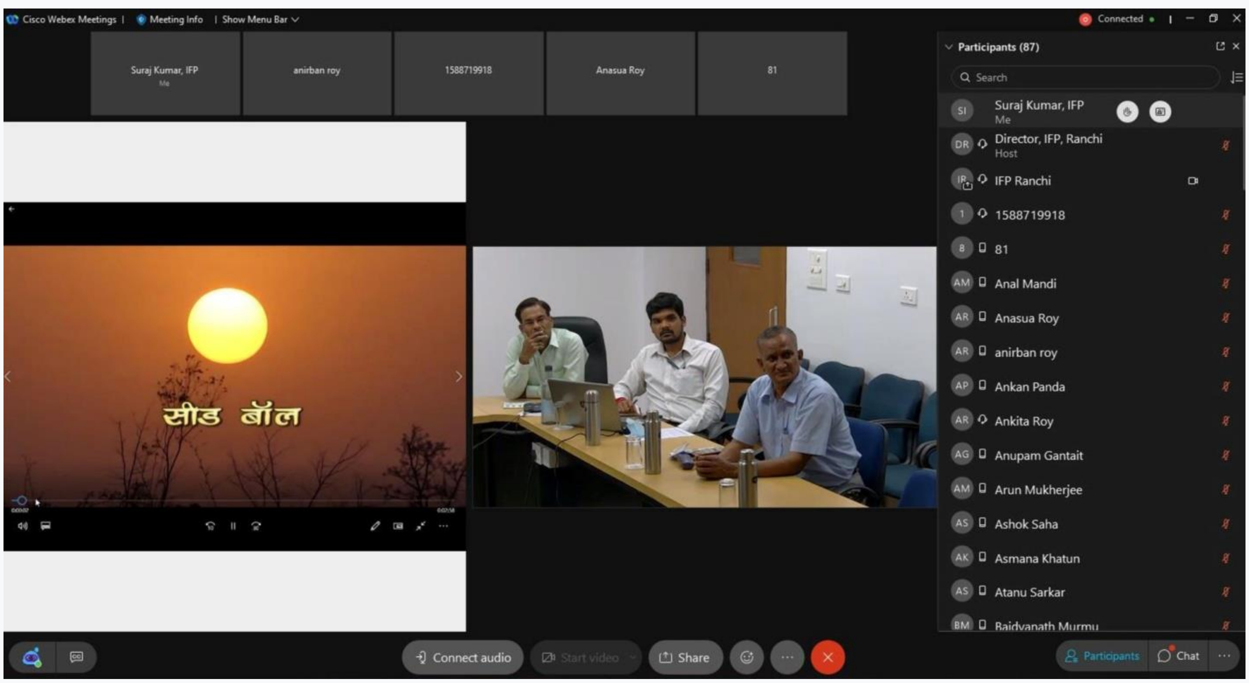

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियां

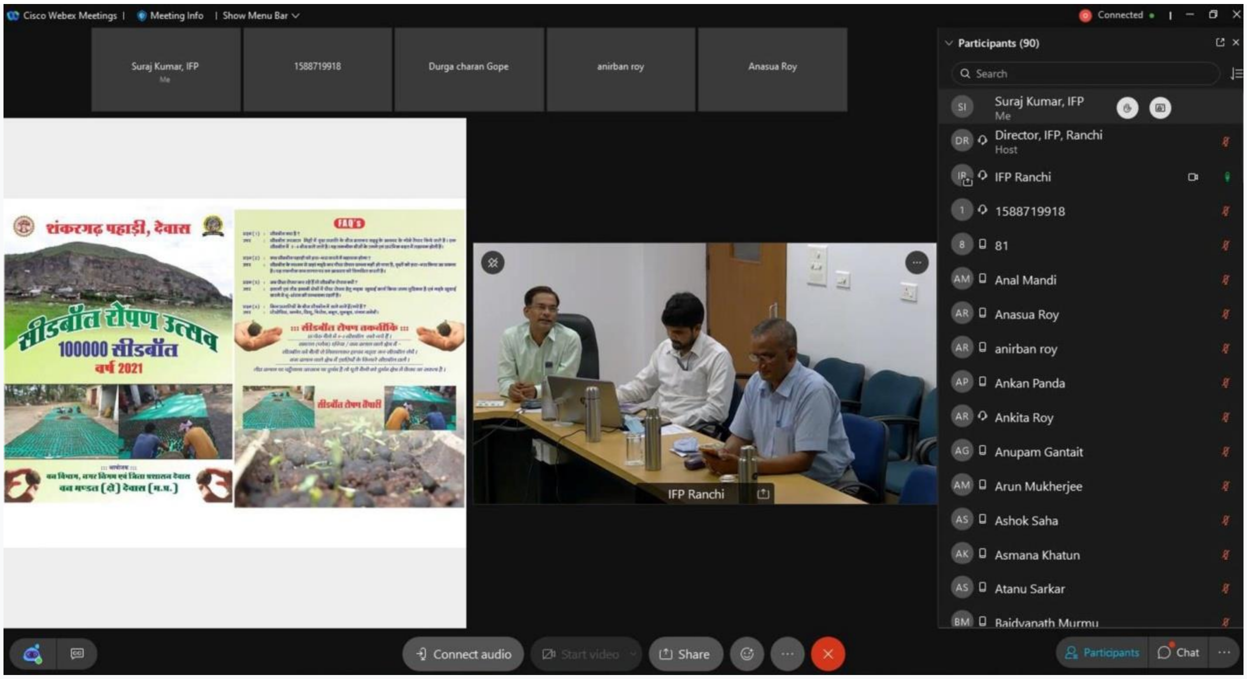

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियां